Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to extend adequate loan facilities to farmers in Jharkhand and also increase the number of nationalised bank branches in the State.

श्री विजय कुमार हाँसदाक (राजमहल)ः मैं केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि पूरे झारखंड में पाँच किसानों ने एक साल में आत्महत्या की है। केंद्र सरकार द्वारा झारखंड राज्य के किसानों के लिए फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड एवं खेतीबाड़ी कार्यों को करने एवं बीज एवं खाद के लिए किसानों को ऋण देने हेतु केंद्रीय योजनायें लागू कर रखी है। खेद के साथ सूचित करना चाहता हूँ कि झारखंड प्रदेश अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति बाहुल्य है। यहाँ के किसानों को केंद्र सरकार की ऋण संबंधी एवं आर्थिक सहायता नहीं मिल पा रही है। सरकारी बैंक ऋण नहीं दे रहे हैं। उपरोक्त योजनाएं केवल कागज पर चल रही है। राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा ऋण संबंधी सुविधा नहीं देने पर एवं उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य नहीं मिलने की वजह से किसानों पर कर्जा बढ़ रहा है, जिसके कारण यहाँ के किसान आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

सरकार से अनुरोध है कि आदिवासी बाहुल्य झारखंड प्रदेश में किसानों को अधिक से अधिक ऋण संबंधी सहायता दी जाये एवं झारखंड राज्य में सरकारी बैंकों की शाखाएं बढ़ाई जायें, क्योंकि पूरे देश में आदिवासी क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में बैंक नहीं है, जो बैंक है भी तो उनसे आदिवासी किसानों को ऋण संबंधी सहायता नहीं मिल पा रही है।